

प्रारंभिक परीक्षा

आदि वाणी प्लेटफॉर्म (ADI VAANI PLATFORM)

संदर्भ

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने कर्नाटक के मैसूर में 'जनजातीय भाषाओं और संग्रहालयों पर राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान पूर्ण विकसित (full-fledged) आदि वाणी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

आदि वाणी प्लेटफॉर्म के बारे में

- **प्रकृति:** जनजातीय भाषाओं के लिए भारत का पहला एआई-संचालित (AI-powered) अनुवादक, जिसका उद्देश्य संचार बाधाओं को कम करना और लुप्तप्राय भाषाओं को संरक्षित करना है।
- **विकास:** जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (TRIs) के साथ IIT दिल्ली, BITS पिलानी, IIIT हैदराबाद और IIIT नया रायपुर के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम (संघ) द्वारा विकसित।
- **एआई मॉडल (AI Models):** NLLB (नो लैंग्वेज लेफ्ट बिहाइंड) और इंडिकट्रांस2 (IndicTrans2) जैसे भाषा मॉडल का उपयोग करता है, जिन्हें कम-संसाधन वाली (low-resource) जनजातीय भाषाओं के लिए अनुकूलित किया गया है।
- **पाठ अनुवाद (Text Translation):** हिंदी/अंग्रेजी और जनजातीय भाषाओं के बीच पाठ (टेक्स्ट), चित्र और दस्तावेजों का अनुवाद करता है।
- **स्पीच अनुवाद (Speech Translation):** लाइव (सजीव) या रिकॉर्ड किए गए भाषण(स्पीच) को टेक्स्ट में परिवर्तित करता है और इसका स्वदेशी भाषाओं में अनुवाद करता है।
- **स्पीच-टू-स्पीच:** हिंदी/अंग्रेजी और संथाली, मुंडारी और भीली जैसी भाषाओं के बीच वास्तविक समय में आवाज अनुवाद को सक्षम बनाता है।

भारत का पहला गैर-जीएमओ हाई-एक्सपेंशन पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज

संदर्भ

भारत का पहला स्वदेशी, गैर-जीएमओ (Non-GMO) हाई-एक्सपेंशन पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज **मुसुनुरु**, आंध्र प्रदेश में लॉन्च किया गया।

हाइब्रिड (संकर) बीज के बारे में

- **विकास:** ICAR-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIMR) और गॉरमेट पॉपकॉर्निका (Gourmet Popcornica) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया।
- **हाइब्रिड (संकर):** इसमें प्रमुख वैश्विक किस्मों की पॉपिंग (पॉपकॉर्न बनने की) गुणवत्ता से मेल खाने के लिए विकसित क्रिस्ना459 (Krisna459) और गोदारी234 (Godari234) शामिल हैं।

- **गैर-जीएमओ (Non-GMO):** विदेशी आनुवंशिक सामग्री (foreign genetic material) पेश किए बिना, पारंपरिक क्रॉस-ब्रीडिंग (संकरण) के माध्यम से विकसित किया गया।
- **उद्देश्य:** आयातित हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम करना और पॉपकॉर्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता का समर्थन करना।
- **पॉपिंग गुणवत्ता:** इन संकरों (hybrids) को वाणिज्यिक पॉपकॉर्न के लिए एक महत्वपूर्ण पैरामीटर, उच्च विस्तार मात्रा (higher expansion volume) के लिए चुना जाता है।
- **पॉपिंग तंत्र (Mechanism):** कर्नेल (दाने) में एक कठोर बाहरी आवरण (hull) से घिरी नमी और स्टार्च होता है। गर्म करने पर पानी भाप में बदल जाता है, जिससे दबाव तब तक बढ़ता है जब तक कि बाहरी आवरण फट नहीं जाता और स्टार्च पॉपकॉर्न में फैल (विस्तारित हो) नहीं जाता।

दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (UNMISS)

संदर्भ

भारत ने जोंगलेई राज्य (Jonglei State) में पाजुट (Pajut) के पास दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (UNMISS) के साथ तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हुए एक घातक हमले की निंदा की है, जिसमें एक इथियोपियाई शांति रक्षक मारा गया था।

UNMISS के बारे में

- **प्रकृति:** दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत संचालित एक बहुआयामी संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन।
- **स्थापना:** दक्षिण सूडान के स्वतंत्र होने के तुरंत बाद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्प 1996 द्वारा 8 जुलाई 2011 को स्थापित किया गया।
- **कार्य:** शांति और सुरक्षा को मजबूत करना, नागरिकों की रक्षा करना, मानवीय सहायता का समर्थन करना और मानवाधिकारों की निगरानी करना।
- **शांति प्रक्रिया:** संवाद और मध्यस्थता के माध्यम से दक्षिण सूडान में संघर्ष के समाधान पर पुनर्जीवित समझौते (R-ARCSS) के कार्यान्वयन का समर्थन करता है।

क्लोरोफेनिरामाइन और फेनिलेफ्राइन संयोजन

(CHLORPHENIRAMINE AND PHENYLEPHRINE COMBINATION)

संदर्भ

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने क्लोरोफेनिरामाइन मैलेट और फेनिलेफ्राइन युक्त फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन (FDC - निश्चित-खुराक संयोजन) के लिए नियमों को कड़ा कर दिया है, जिसमें 4 साल से कम उम्र के बच्चों में उनके उपयोग के खिलाफ चेतावनी की आवश्यकता है।

क्लोरोफेनिरामाइन और फेनिलेफ्राइन संयोजन के बारे में

- **प्रकृति:** सर्दी, एलर्जिक राइनाइटिस (allergic rhinitis) और नाक बंद होने (nasal congestion) से अस्थायी राहत के लिए आमतौर पर सिरप, ड्रॉप्स और टैबलेट में उपयोग किया जाने वाला एक FDCI।
- **क्लोरफेनिरामाइन:** पहली पीढ़ी का H1 एंटीहिस्टामाइन जो छींकने, नाक बहने और आंखों से पानी आने को कम करता है।
- **फेनिलेफ्राइन:** एक नेज़ल डिंकंजेस्टेंट (nasal decongestant) जो नाक के मार्ग में रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ता है और नाक के भारीपन (stuffiness) को कम करता है।

यह कैसे काम करता है?

- **दोहरी क्रिया:** क्लोरफेनिरामाइन एलर्जी के लक्षणों को नियंत्रित करता है, जबकि फेनिलेफ्राइन नाक बंद होने से राहत देता है।
- **लक्षणात्मक राहत (Symptomatic Relief):** यह संयोजन वायरल संक्रमण को ठीक नहीं करता है या उसे छोटा नहीं करता है; यह केवल लक्षणों को कम करता है।
- **प्रणालीगत प्रभाव (Systemic Effects):** क्लोरफेनिरामाइन उनींदापन (drowsiness) पैदा कर सकता है, जबकि फेनिलेफ्राइन रक्तचाप और हृदय गति को बढ़ा सकता है।

4 वर्ष से कम उम्र वालों के लिए प्रतिबंधित क्यों?

- **उच्च संवेदनशीलता:** छोटे बच्चे इन दवाओं के प्रति अलग तरह से प्रतिक्रिया कर सकते हैं, जिससे प्रतिकूल प्रभावों का खतरा बढ़ जाता है।
- **गंभीर प्रतिक्रियाएं:** अत्यधिक एक्सपोजर से दिल की धड़कन तेज हो सकती है, दौरे पड़ सकते हैं या असामान्य उत्तेजना हो सकती है।
- **ओवरडोज़ जोखिम:** ये तत्व सर्दी की कई दवाओं में पाए जाते हैं, जिससे गलती से दोहरी खुराक (duplicate dosing) का खतरा बढ़ जाता है।
- **सुरक्षित उपाय:** जटिलता-रहित (uncomplicated) वायरल सर्दी के लिए, सेलाइन नेज़ल ड्रॉप्स (saline nasal drops) और पर्याप्त हाइड्रेशन जैसे उपायों को आम तौर पर प्राथमिकता दी जाती है।

हॉक फायर (HAWK FIRE)

संदर्भ

हॉक फायर, संयुक्त राज्य अमेरिका में मानव-जनित जंगल की आग, नेवादा के रेनो के पास पीवाइन पीक (Peavine Peak) में तेजी से फैल गई, जिससे वाशो काउंटी (Washoe County) में आपातकाल (State of Emergency) लागू करना पड़ा।

हॉक फायर के बारे में

- **प्रकार:** एक वाइल्डलैंड-अर्बन इंटरफेस (WUI) आग, जो वहां लगती है जहां जंगली वनस्पति मानव बस्तियों से मिलती है।

- **प्रभावित क्षेत्र:** मुख्य रूप से वाशो काउंटी, नेवादा, जिसका कुछ फैलाव कैलिफोर्निया के सिएरा काउंटी (Sierra County) में है।

यह तेजी से क्यों फैली?

- **सूखा ईंधन:** सूखी झाड़ियों और घासों ने अत्यधिक ज्वलनशील ईंधन प्रदान किया।
- **तेज हवाएं:** 40 मील प्रति घंटे तक की गति वाली दक्षिण-पश्चिमी हवाओं ने लपटों और अंगारों को तेजी से फैलाया।
- **कम आर्द्रता:** आर्द्रता (नमी) गिरकर लगभग 18% हो गई, जिससे आग की तीव्रता और प्रसार बढ़ गया।
- **अंगारों का फैलाव (Ember Spotting):** हवा से उड़ने वाले अंगारों ने आग को सड़कों और अन्य बाधाओं को पार करने में मदद की।

प्रभाव

- **तीव्र विस्तार:** 24-36 घंटों के भीतर लगभग 15 एकड़ से बढ़कर 15,000 एकड़ से अधिक हो गई।
- **संपत्ति की क्षति:** 32 घरों को नष्ट कर दिया और कई अन्य को नुकसान पहुंचाया।
- **उपयोगिताएँ (Utilities):** आपातकालीन बिजली कटौती ने 59,000 से अधिक ग्राहकों को प्रभावित किया।

डाक मित्र और डाक सेवा ऐप्स (DAK MITRA AND DAK SEWA APPS)

संदर्भ

डाक विभाग ने उन्नत डाक मित्र (Dak MITRA) और डाक सेवा (Dak Sewa) ऐप लॉन्च किए हैं और डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए 14 पुनर्निर्मित डाकघर भवनों का उद्घाटन किया है।

डाक मित्र के बारे में

- **डेवलपर:** उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (APT) प्लेटफॉर्म के तहत डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (CEPT) द्वारा विकसित।
- **कवरेज:** एंड्रॉइड-आधारित हैंडहेल्ड उपकरणों के माध्यम से 1.4 लाख से अधिक शाखा डाकघरों को सेवा प्रदान करता है।
- **सेवाएं:** मेल बुकिंग, डोरस्टेप (घर पर) डिलीवरी, बैंकिंग, बीमा, आधार-आधारित ई-केवाईसी (e-KYC) और PLI/RPLI प्रीमियम संग्रह सहित कागज रहित (paperless) डाक और वित्तीय लेनदेन सक्षम करता है।

डाक सेवा के बारे में

- **उद्देश्य:** एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को कई डाक सेवाओं तक 24x7 पहुंच प्रदान करता है।
- **सेवाएं:** इसमें ट्रैकिंग, बुकिंग, शिकायतें, डाकघर और पिन-कोड लोकेटर तथा वित्तीय कैलकुलेटर शामिल हैं।
- **भाषाएं:** भाषिनी (BHASHINI) के सहयोग से 23 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

सीसा (LEAD - लेड)

संदर्भ

ICMR-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (ICMR-NIN), हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने पाया कि सीसे (lead) के संपर्क में आने से तंत्रिका कोशिकाओं (nerve cells) की अपशिष्ट-समाशोधन (waste-clearing) और रीसाइक्लिंग प्रणाली बाधित हो सकती है।

सीसे (लेड) के बारे में

- **प्रकृति:** पृथ्वी की पपड़ी (crust) में कम मात्रा में पाया जाने वाला प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाला भारी धातु।
- **गुण:** आवर्त सारणी (periodic table) के समूह 14 से संबंधित एक नरम, घना, अत्यधिक आघातवर्ध्य (malleable) और संक्षारण प्रतिरोधी (corrosion-resistant) धातु।
- **उपस्थिति (Occurrence):** मुख्य रूप से जस्ता (जिंक), चांदी और तांबे के अयस्कों में पाया जाता है। सीसे का प्रमुख अयस्क गैलेना (PbS) है।

प्रमुख उपयोग

- **बैटरी:** वाहनों, बैकअप पावर और दूरसंचार प्रणालियों के लिए लेड-एसिड बैटरी में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- **औद्योगिक उपयोग:** कांच और प्लास्टिक, विकिरण परिरक्षण (radiation shielding), रोल्ड (लुढ़का हुआ) उत्पादों और गोला-बारूद में उपयोग किया जाता है।
- **संक्षारण प्रतिरोध:** सल्फ्यूरिक एसिड सहित संक्षारक (corrosive) पदार्थों को रखने के लिए उपयोग किया जाता है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

- **न्यूरोटॉक्सिसिटी (तंत्रिका-विषाक्तता):** सीसा तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है और सामान्य सेलुलर कार्यों में हस्तक्षेप कर सकता है।
- **एकाधिक प्रणालियां:** लंबे समय तक संपर्क में रहने से मस्तिष्क, गुर्दे, रक्त और अन्य अंग प्रभावित हो सकते हैं।
- **संवेदनशील समूह:** बच्चे और बच्चे पैदा करने की उम्र की महिलाएं सीसा विषाक्तता (lead toxicity) के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं।
- **पर्यावरणीय खतरा:** सीसा मनुष्यों, जानवरों और पारिस्थितिक तंत्र के लिए विषैला होता है, जिसके लगातार संदूषण (contamination) से दीर्घकालिक जोखिम पैदा होते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी लचीलापन सूचकांक

(INFORMATION TECHNOLOGY RESILIENCE INDEX - ITRI)

संदर्भ

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) ने मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (MII) के लिए सूचना प्रौद्योगिकी लचीलापन सूचकांक (ITRI) पेश किया है।

ITRI के बारे में

- **उद्देश्य:** स्टॉक एक्सचेंजों, डिपॉजिटरी और क्लियरिंग कॉरपोरेशनों के आईटी (IT) सिस्टम के लचीलेपन और प्रदर्शन का आकलन करता है।
- **लक्ष्य:** विनियामक निगरानी को मजबूत करता है और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उभरती आईटी कमजोरियों को जल्दी पहचानने में मदद करता है।
- **नोडल संस्थान:** सेबी (SEBI)।

प्रमुख विशेषताएँ

- **नौ पैरामीटर:** यह सूचकांक उपलब्धता, सुरक्षा, अखंडता, शासन, विश्वसनीयता और निगरानी, व्यापार निरंतरता, मॉड्यूलरिटी और लचीलापन, स्केलेबिलिटी और अन्य प्रासंगिक कारकों को मापता है।
- **भारांक (Weightage):** उपलब्धता और सुरक्षा में प्रत्येक का भारांक 20% है; अन्य प्रमुख मापदंडों का भारांक प्रत्येक 10% है।
- **आकलन:** MII को प्रत्येक छमाही के अंत के 60 दिनों के भीतर, अर्ध-वार्षिक (half-yearly) रूप से सूचकांक की गणना करनी होगी।
- **रिपोर्टिंग:** MII को अपनी प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति (SCOT) और शासी बोर्डों (governing boards) को सुधारात्मक उपायों के साथ दो लगातार छमाहियों की रोलिंग तुलना प्रस्तुत करनी होगी।
- **पूर्व चेतावनी प्रणाली (Early Warning System - EWS):** MII को IT लचीलेपन में गिरावट का पता लगाने के लिए एक EWS स्थापित करना होगा जो सिस्टम में मंदी, प्रदर्शन संबंधी समस्याओं या व्यवधानों का कारण बन सकता है।

गुग्गल का पौधा (GUGGAL PLANT)

संदर्भ

कच्छ स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन सामुदायिक चरागाह भूमियों पर देशी औषधीय जैव विविधता को बहाल करने के लिए पांच गांवों में खारा (Khara) और मीठा (Mitha) गुग्गल लगा रहा है।

गुग्गल के पौधे के बारे में

- **वितरण:** भारत, अरब और पाकिस्तान का मूल निवासी (देशज); भारत में, मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और कर्नाटक के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है।
- **आवास:** शुष्क और अर्ध-शुष्क जलवायु, खराब मिट्टी और चट्टानी या रेतीले क्षेत्रों को तरजीह देता है।

प्रमुख विशेषताएँ

- **अनुकूलन:** सूखे और खारेपन के प्रति सहिष्णु और कम कार्बनिक पदार्थ वाली मिट्टी में पनप (बढ़) सकता है।
- **स्वरूप (दिखावट):** इसमें राख के रंग की, छिलने वाली छाल होती है और यह साल के अधिकांश समय काफी हद तक पत्तीविहीन (leafless) रहता है।

- **विकास:** बीजों की अंकुरण दर कम होती है, जबकि पौधों को परिपक्व होने में लगभग 10 वर्ष लग सकते हैं।

गुग्गल गोंद (रेज़िन) और उपयोग

- **पारंपरिक उपयोग:** राल (Resin), जिसे गुग्गल के नाम से जाना जाता है, का उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा, अगरबत्ती, मलहम, वार्निश और इत्र में किया जाता है।
- **औषधीय क्षमता:** गुग्गल के अर्क का पारंपरिक रूप से कई बीमारियों के लिए उपयोग किया जाता रहा है और लिपिड और पित्त-अम्ल (bile-acid) चयापचय में उनकी भूमिका के लिए अध्ययन किया जाता है।
- **FXR अंतःक्रिया (Interaction):** गुग्गल यौगिक फ़ार्नेसॉइड एक्स रिसेप्टर (Farnesoid X Receptor - FXR) के साथ अंतःक्रिया करते हैं, जो पित्त अम्ल (bile acids) और कोलेस्ट्रॉल चयापचय के नियमन में शामिल है।

जलस्तंभ (WATERSPOUT - वाटरस्पाउट)

संदर्भ

असम के बारपेटा जिले में ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर हाल ही में जलस्तंभ (वाटर्सपाउट) जैसी एक दुर्लभ घटना देखी गई।

जलस्तंभ (वाटर्सपाउट) के बारे में

- **प्रकृति:** किसी जल निकाय (water body) के ऊपर फैली हवा और पानी की धुंध का एक घूमता हुआ स्तंभ।
- **स्थितियां:** उच्च आर्द्रता और ठंडी हवा के नीचे अपेक्षाकृत गर्म पानी के अनुकूल होती है।
- **विशिष्ट विशेषताएं:** आमतौर पर लगभग 5 मिनट तक रहता है, हालांकि यह 10 मिनट तक भी बना रह सकता है; एक औसत वाटर्सपाउट लगभग 165 फीट चौड़ा हो सकता है और इसके पास 100 किमी/घंटा के करीब हवाएं चल सकती हैं।

वाटरस्पाउट के प्रकार

- **टॉर्नेडिक वाटर्सपाउट (Tornadic Waterspout):** पानी के ऊपर एक बवंडर या जो जमीन से पानी की ओर बढ़ता है; गंभीर आंधी (thunderstorms), तेज हवाओं, ओले और बिजली से जुड़ा होता है।
- **फेयर-वेदर वाटर्सपाउट (Fair-Weather Waterspout):** आमतौर पर अपेक्षाकृत शांत परिस्थितियों में विकासशील क्यूम्युलस (कपासी) बादलों के नीचे बनता है। यह पानी की सतह से ऊपर की ओर विकसित होता है, आमतौर पर गरज वाले तूफानों (thunderstorms) से नहीं जुड़ा होता है और बहुत कम गति करता है।

मुख्य परीक्षा

भारत में बेरोजगारी

संदर्भ

भारत में बेरोजगारी दर (UER) का गिरना श्रम बाजार की गहरी कमजोरियों को छिपाता है। 2025 में UER के 3.1% तक गिरने के बावजूद, युवाओं में बेरोजगारी अभी भी ज्यादा है; खासकर पढ़े-लिखे युवाओं को बहुत ज्यादा बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है, और हाल ही में रोजगार में जो बढ़ोतरी हुई है, वह ज्यादातर खेती और कम वेतन वाले कामों में ही हुई है। साथ ही, UER में निराश होकर काम की तलाश छोड़ चुके लोगों और श्रम बल से बाहर के अन्य लोगों को शामिल नहीं किया जाता है, इसलिए NEET (जो रोजगार, शिक्षा या ट्रेनिंग में नहीं हैं) युवाओं के श्रम बाजार से बाहर रहने का एक व्यापक पैमाना बन जाता है।

भारत में शिक्षित बेरोजगारी के संरचनात्मक कारण क्या हैं?

- **रोजगार सृजन घाटा (Job Creation Deficit):** प्राथमिक समस्या यह है कि अर्थव्यवस्था श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले शिक्षित लोगों की बढ़ती संख्या को खपाने (absorb) के लिए पर्याप्त औपचारिक, उत्पादक रोजगार पैदा नहीं कर रही है।
 - **उदाहरण** - ILO ने पाया कि 2022 में, स्नातकों (graduates) के बीच युवा बेरोजगारी 29.1% थी, जो दर्शाता है कि उच्च शिक्षा उपयुक्त रोजगार के अवसरों की तुलना में तेजी से विस्तारित हुई है।
- **क्षेत्रीय असंतुलन (Sectoral Imbalance):** हालिया रोजगार वृद्धि काफी हद तक उन क्षेत्रों में केंद्रित है जिनमें कुशल व्यवसायों में बड़ी संख्या में शिक्षित श्रमिकों को खपाने की सीमित क्षमता है।
 - **उदाहरण** - 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' की रिपोर्ट है कि 2021-22 और 2023-24 के बीच जोड़े गए 83 मिलियन रोजगारों में से 40 मिलियन कृषि में थे, जो उच्च-उत्पादकता वाले क्षेत्रों की ओर श्रम की कमजोर आवाजाही का संकेत देता है।
- **कौशल बेमेल (Skill Mismatch):** कौशल अंतराल (skill gaps) मुख्य रूप से रोजगार सृजित होने के बाद मायने रखते हैं, क्योंकि नियुक्ता केवल सामान्य योग्यता वाले स्नातकों के बजाय व्यावहारिक और तकनीकी क्षमताओं वाले श्रमिकों का चयन कर सकते हैं।
 - **उदाहरण** - 'ILO इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' से पता चलता है कि तकनीकी और व्यावसायिक योग्यताएं युवाओं के नियमित रोजगार प्राप्त करने की संभावनाओं में सुधार करती हैं, जो नौकरी-प्रासंगिक कौशल (job-relevant skills) की भूमिका को उजागर करता है।
- **कमजोर स्कूल-टू-वर्क (स्कूल से काम तक) संक्रमण:** उपयुक्त रोजगार मौजूद होने पर भी, युवा स्नातकों में अक्सर प्रवेश करने के लिए आवश्यक अप्रेंटिसशिप, कार्यस्थल के एक्सपोजर और पहली नौकरी के अनुभव की कमी होती है।
 - **उदाहरण** - ILO शिक्षा से काम में संक्रमण को भारतीय युवाओं के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में पहचानता है, जिसमें पहली बार नौकरी चाहने वाले युवाओं को अनुभव की कमी का सामना करना पड़ता है।

- **योग्यता-पेशा बेमेल (Qualification-Occupation Mismatch):** जब अर्थव्यवस्था पर्याप्त उपयुक्त व्यवसाय प्रदान नहीं कर पाती है, तो कई शिक्षित कर्मचारी या तो बेरोजगार रहते हैं या अपनी योग्यता से कम की नौकरियां स्वीकार करते हैं।
 - **उदाहरण** - बड़े अनौपचारिक रोजगार के साथ शिक्षित बेरोजगारी की निरंतरता यह दर्शाती है कि समस्या अक्सर काम की पूर्ण अनुपस्थिति के बजाय उपयुक्त नौकरियों की कमी होती है।

ग्रामीण-से-शहरी प्रवास शहरी बेरोजगारी को कैसे प्रभावित करता है?

- **शहरी श्रम आपूर्ति बढ़ाता है:** प्रवास से शहरों में काम चाहने वालों की संख्या बढ़ जाती है। यदि शहरी रोजगार सृजन समान गति से नहीं होता है, तो उपलब्ध रोजगारों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है।
 - **उदाहरण** - 'आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26' रोजगार की खोज और बेहतर आजीविका को ग्रामीण-से-शहरी प्रवास के प्रमुख चालकों (drivers) के रूप में पहचानता है।
- **खोज बेरोजगारी (Search Unemployment) पैदा करता है:** रोजगार की तलाश, नेटवर्क बनाने और शहरी श्रम बाजार के साथ सामंजस्य बिठाते समय प्रवासी अस्थायी रूप से बेरोजगार रह सकते हैं।
 - **उदाहरण** - शहरी युवा बेरोजगारी, ग्रामीण युवा बेरोजगारी से काफी अधिक बनी हुई है, जो शहरी श्रम बाजारों में बड़ी संख्या में युवा श्रमिकों को खपाने की कठिनाई को दर्शाता है।
- **अल्परोजगार (Underemployment) को शहरों में स्थानांतरित करता है:** जो प्रवासी उपयुक्त औपचारिक रोजगार नहीं खोज पाते हैं वे आकस्मिक (casual) कार्य या कम-उत्पादकता वाले स्व-रोजगार में प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार, ग्रामीण अल्परोजगार शहरी अनौपचारिक रोजगार के रूप में फिर से सामने आ सकता है।
 - **उदाहरण** - निर्माण (construction), स्ट्रीट वेंडिंग या आकस्मिक सेवाओं में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को काम मिल सकता है, लेकिन वे सुरक्षित औपचारिक नौकरियों के बजाय अस्थिर, कम-उत्पादकता वाले रोजगार में बने रहते हैं।
- **कौशल बेमेल (Skill Mismatch) को उजागर करता है:** ग्रामीण श्रमिक अक्सर व्यवसाय-विशिष्ट अनुभव लाते हैं जो शहरी मांग से मेल नहीं खा सकता है, जिससे उन्हें अपने पिछले कौशल स्तर से कम की नौकरियां स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
 - **उदाहरण** - कृषि से शहर में जाने वाला श्रमिक निर्माण या डिलीवरी सेवाओं में प्रवेश कर सकता है, भले ही उसके पहले के कृषि अनुभव का उन व्यवसायों में बहुत कम मूल्य हो।
- **श्रम आवंटन में सुधार करता है:** प्रवास अभी भी सीमित अवसरों वाले क्षेत्रों से श्रम को अधिक मांग वाले क्षेत्रों में ले जाकर रोजगार परिणामों में सुधार कर सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शहरी श्रम मांग उत्पादक रूप से आमद (प्रवाह) को खपाने के लिए अपर्याप्त होती है।
 - **उदाहरण** - औद्योगिक और सेवा केंद्रों की ओर रोजगार-संचालित प्रवास श्रमिकों को उन अवसरों तक पहुंचने की अनुमति देता है जो उनके गांवों में उपलब्ध नहीं हैं, बशर्ते शहरों में रोजगार-सृजन की पर्याप्त क्षमता हो।

सामाजिक स्थिरता के लिए लगातार युवा बेरोजगारी के परिणाम क्या हैं?

- **आर्थिक निर्भरता:** लंबे समय तक बेरोजगारी वित्तीय स्वतंत्रता में देरी करती है और युवाओं को आय और बुनियादी जरूरतों के लिए परिवारों पर निर्भर रखती है।
 - **उदाहरण** - स्नातक (ग्रेजुएशन) के बाद नौकरी की तलाश में बिताया गया लंबा समय शिक्षा से स्थिर आय और स्वतंत्र आर्थिक जीवन में संक्रमण (transition) में देरी करता है।
- **मानव पूंजी का क्षरण (Human Capital Erosion):** काम के बिना लंबी अवधि व्यावहारिक अनुभव और कार्यस्थल कौशल हासिल करने के अवसरों को कम कर देती है, जिससे भविष्य में रोजगार पाना और अधिक मुश्किल हो जाता है।
 - **उदाहरण** - एक स्नातक जो कई वर्षों तक बेरोजगार रहता है, वह ऑन-द-जॉब सीखने और अनुभव के अवसरों को खो देता है, जिससे कमजोर रोजगार क्षमता और निरंतर बेरोजगारी का चक्र पैदा होता है।
- **कम सामाजिक गतिशीलता (Reduced Social Mobility):** जब शिक्षा रोजगार पैदा करने में विफल रहती है, तो शिक्षा और ऊपर की ओर आर्थिक गतिशीलता (upward economic mobility) के बीच अपेक्षित संबंध कमजोर हो जाता है।
 - **उदाहरण** - स्नातकों (ग्रेजुएट्स) के बीच उच्च बेरोजगारी का मतलब है कि परिवार युवा व्यक्ति की आय या व्यावसायिक स्थिति में अनुरूप सुधार देखे बिना शिक्षा में भारी निवेश कर सकते हैं।
- **व्यर्थ जनसांख्यिकीय लाभांश (Wasted Demographic Dividend):** बेरोजगार युवा उस उत्पादक क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसका उपयोग करने में अर्थव्यवस्था विफल हो रही है। लगातार बहिष्कार (exclusion) इसलिए भारत की बड़ी कामकाजी उम्र की आबादी से संभावित लाभ को कम कर देता है।
 - **उदाहरण** - दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले भारत में, लंबी बेरोजगारी का मतलब है कि संभावित श्रमिकों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उत्पादन और आय सृजन में पूरी तरह से योगदान नहीं करता है।
- **सामाजिक असंतोष:** लगातार बेरोजगारी बढ़ती आकांक्षाओं और वास्तविक अवसरों के बीच की खाई को चौड़ा कर सकती है, जिससे हताशा बढ़ सकती है और आर्थिक उन्नति के मौजूदा मार्गों पर विश्वास कमजोर हो सकता है।
 - **उदाहरण** - शिक्षा में वर्षों के निवेश के बावजूद, शिक्षित युवाओं के बीच उच्च बेरोजगारी शैक्षिक उपलब्धि और आर्थिक अवसर के बीच एक स्पष्ट अंतर (खाई) पैदा करती है।

आगे की राह

- **रोजगार-समृद्ध विकास (Job-Rich Growth) को प्राथमिकता देना:** भारत को मुख्य रूप से पूंजी-गहन विकास पर निर्भर रहने के बजाय बड़ी संख्या में श्रमिकों को खपाने वाले क्षेत्रों में रोजगार सृजन बढ़ाना चाहिए।
 - **उदाहरण** - कपड़ा, जूते-चप्पल, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन और इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली अत्यधिक स्वचालित उद्योगों की तुलना में निवेश की प्रति इकाई अधिक रोजगार पैदा कर सकते हैं।
- **संरचनात्मक परिवर्तन में तेजी लाना:** रोजगार को धीरे-धीरे कम-उत्पादकता वाली कृषि से विनिर्माण, आधुनिक सेवाओं और उत्पादक गैर-कृषि गतिविधियों की ओर स्थानांतरित होना चाहिए।

- **उदाहरण** - 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' द्वारा उजागर की गई हालिया रोजगार वृद्धि का बड़ा हिस्सा कृषि से आना, गैर-कृषि रोजगार के तेजी से विस्तार के मामले को मजबूत करता है।
- **शिक्षा-से-कार्य लिंक को मजबूत करना:** कौशल विकास रोजगार सृजन का पूरक होना चाहिए, विकल्प नहीं। पाठ्यक्रम (Curricula) को नियोक्ताओं, अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता) और कार्यस्थल प्रशिक्षण के साथ जोड़ा जाना चाहिए।
 - **उदाहरण** - उद्योग-आधारित अप्रेंटिसशिप पहली बार नौकरी चाहने वालों द्वारा सामना किए जाने वाले अनुभव अंतर को कम कर सकती है।
- **उत्पादक ग्रामीण और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था का निर्माण:** ग्रामीण गैर-कृषि उद्योगों और छोटे शहरों में रोजगार के विस्तार से संकटपूर्ण प्रवास (distress migration) कम हो सकता है और श्रम मांग अधिक समान रूप से वितरित हो सकती है।
 - **उदाहरण** - ग्रामीण MSME, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय सेवा उद्यम वहां रोजगार प्रदान कर सकते हैं जहां श्रमिक रहते हैं।
- **शहरी श्रम अवशोषण (Urban Labour Absorption) में सुधार:** प्रवासियों को प्राप्त करने वाले शहरों को बेहतर रोजगार सेवाओं, किफायती आवास, परिवहन और पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता है ताकि प्रवास का परिणाम निरंतर अनौपचारिकता (informality) के बजाय उत्पादक रोजगार हो।
 - **उदाहरण** - पोर्टेबल सामाजिक-सुरक्षा लाभ उन प्रवासी श्रमिकों की रक्षा कर सकते हैं जो राज्यों और नौकरियों (व्यवसायों) में आते-जाते हैं।
- **UER से परे रोजगार को मापना:** भारत को NEET (रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण में नहीं), अल्परोजगार, मजदूरी, उत्पादकता, नौकरी की सुरक्षा और श्रम-बल की भागीदारी के साथ-साथ बेरोजगारी का आकलन करना चाहिए।
 - **उदाहरण** - NEET संकेतक उन युवाओं को कवर करता है जो न तो काम कर रहे हैं और न ही पढ़ रहे हैं या प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे श्रम-बाजार के उस बहिष्कार का पता चलता है जिसे पारंपरिक बेरोजगारी दर नजरअंदाज कर सकती है।